प्रेषक.

डा० एस०एस० सन्धू, सचिव, उत्तरांचल शासन।

सेवा में, जिलाधिकारी, नैनीताल।

शहरी विकास/आवास अनुभाग

देहरादूनः दिनांकः ०२-सित्व ब्रह्म

विषय:-जनपद नैनीताल की नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी में मलिन बस्ती सुधार योजना के अन्तर्गत प्राप्त प्रस्तावों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1041/वि0अनु0-1/ 2002, दिनांकः 03 दिसम्बर,2002 शासनादेश संख्या-3181 / श0वि0-आ0- 2003 -237(सा०) / 2003, दिनांकः ११ दिसम्बर, २००३ एवं शासनादेश संख्या – १२६१ / श०वि० – आ० -2004-237(सा0) / 2003, 17मार्च,2004 के कम में अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद हल्द्वानी के पत्र दिनांकः 15 मार्च,2004 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के अधार पर स्वीकृत धनराशि के अनुक्रम में नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी हेतु मलिन बस्ती सुधार योजना के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी द्वारा 4 नग हाईमारट लाईट, 01 स्काई लिफ्ट, 02 नग फौगिंग मशीन एवं 2.5 कि0ली0 की क्षमता के पानी के टेंकर के क्य हेतु प्रेषित आगणन रू० 37.43लाख के सापेक्ष राज्य वित्त आयोग द्वारा शासनादेश दिनांकः 03 दिसम्बर,2002 द्वारा स्वीकृत धनराशि रू० 1,00,00,000.00 में से नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी हेतु मलिन बस्ती सुधार योजनान्तर्गत के अन्तर्गत शासनादेश दिनांकः 11 दिसम्बर,2003 एवं शासनादेश दिनांकः 17 मार्च,2004 द्वारा स्वीकृत कुल धनराशि रू० 64,68,640.00को घटाते हुए अवशेष धनराशि रू० 35,31,360.00 (रू० पैंतीस लाख इकत्तीस हजार तीन सौ साठ मात्र) की धनराशि के विपरीत रू० 37.43लाख (रू० सैंतीस लाख तैतालीस हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासकीय

स्वीकृति निम्नलिखित शर्तो एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

- (1) उक्त कार्य हेतु राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के अनुसार प्रवत्त धनराशि रू० 1.00 करोड़ में से अवशेष धनराशि रू० 35,31,360.00 / का उपयोग सुनिश्चित करते हुए अवशेष रू० 2,11,640.00 / – (रू० दो लाख ग्यारह हजार छः सौ चालीस मात्र) की धनराशि को नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी द्वारा पालिका निधि से अथवा अपने निजी श्रोतों से व्यय की जायेगी और इसके लिए शासन द्वारा राज्य वित्त आयोग अथवा अन्य प्रकार से कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी।
- (2) उक्त धनराशि आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित कार्यदायी संस्थाओं को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध करायी जायेगी।
- (3) उक्त धनराशि का उपयोग उन्ही योजनाओं एवं मदों के लिए किया जायेगा जिन योजनाओं एवं मदों के लिये धनराशि स्वीकृत की गयी है। किसी भी दशा में धनराशि का व्ययावर्तन किसी अन्य योजना / मद में नहीं किया जा सकेगा।
- (4) सामग्री का क्रय तकनीकी विशिष्टियां निर्धारित करडी०जी०एस० एण्ड डी० अथवा टेण्डर के आधार पर क्रय की व्यवस्था स्टोर एण्ड परचेज रूल्स नियमान्तर्गत किया जायेगा बशर्ते सामग्री मोनापालिस्टक प्रकृति की नहीं है।
- (5) उक्त वाहन के क्रय के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित सुसंगत नियमों का पालन किया जायेगा तथा क्रय की कार्यवाही से शासन को भी अवगत कराया जायेगा।
- (6) उक्त वाहन का कय डी०जी०एस० एण्ड डी० की दरों पर फार्म—डी निष्पादित कर व्यापार कर हेतु अनुमन्य छूट का उपयोग करके ही किया जायेगा।
- (7) वाहन का क्रय कर स्वीकृत की जा रही धनराशि के उपयोग की सूचना शासन को 31 अक्टूबर, 2004 तक उपलब्ध कराई जायेगी।
- (8) उक्त वाहन का क्य तभी किया जायेगा जब वाहन क्य के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित सुसंगत नियमों का पालन किया जाना सुनिश्चित कर लिया जायेगा।
- (9) इस शासनादेश द्वारा केवल उक्त योजनाओं की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी जा रही है, कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की जा रही है। स्वीकृत की

जा रही धनराशि का व्यय शासनादेश दिनांकः 03 दिसम्बर,2002 द्वारा आवंटित धनराशि से किया जायेगा।

(10) यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं०ः 3073 वित्त अनु0-3/2003, दिनांकः 23 अगस्त,2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है।

भवदीय,

(डा० एस०एस० सन्धू) सचिव।

संख्या- \७२\ (1) / v / श0वि0-आ0-2004-तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

(1) महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी(प्रथम), लेखा परीक्षा, उत्तरांचल, देहरादून।

(2) आयुक्त, कुमायूं मण्डल, नैनीताल।

(3) श्री एल०एम० पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग, उत्तरांचल शासन।

(4) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, हल्द्वानी।

(5) निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय, देहरादून।

(6) वित्त अनुभाग-3/वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन, देहरादून।

(7) वरिष्ठ कोषाधिकारी, नैनीताल।

(8) गार्ड बुक।

,आज्ञा, से,

(डी०के० गुप्ता) अपर सचिव।